Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) __________________

   (Name) __________________

2. (Signature) __________________

   (Name) __________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. __________________

(In words)

Test Booklet No.

J – 1407

PAPER – III

Time : 2½ hours] **PUBLIC ADMINISTRATION** **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PUBLIC ADMINISTRATION

लोक प्रशासन

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the passage below, and answer questions that follow based on your understanding of the passage.

The committee on public undertakings of the Eighth Lok Sabha submitted a very valuable report on Accountability and Autonomy of Public Undertakings.

The committee considered autonomy, financial and administrative, vital for a public undertaking to enable it to function freely and in a competitive environment. Since the accountability of the executive to Parliament is recognised as the basic concept of a democratic form of government, both public undertakings and their administrative ministries in their turn are accountable to Parliament for their performance. Autonomy and accountability must co-exist being directly interrelated. Autonomy carried to an extreme would totally frustrate the principle of accountability while accountability also carried to an extreme would nullify its very concept. As public undertakings are to be judged by their total results, they should have sufficient operational autonomy. The Government's control should be restricted to issuing of policy directives, exercising of strategic control and making of necessary coordinating arrangements to fulfil its responsibility for effective implementation of its socio-economic goals. At present, there is a growing tendency on the part of the Government to interfere in the day-to-day working of the enterprise.

Autonomy is a pre-requisite for the successful functioning of public enterprises. This is all the more important in view of the persistent allegations of Government

interference in the internal affairs of public enterprises. Each five-year plan has emphasised the need for autonomy of the public enterprises in regard to the management of their affairs. Of late, several measures have been initiated to respect their autonomy. Civil servants are no longer appointed in public enterprises. Professionalism in public enterprises is being consciously promoted. Last but not the least in importance, is the recent policy of signing a Memorandum of Understanding (MOU) between the public enterprise and the controlling Government Ministry. Such MOUs have been signed with a large number of public enterprises to enforce accountability.

अधोलिखित लेखांश को पढ़िए और अग्रलिखित प्रशों का उत्तर उस लेखांश की आपकी समझ के अनुसार दीजिए।

आठवीं लोकसभा की लोक उपक्रम समिति ने लोक उपक्रमों के उत्तरदायित्व तथा स्वायत्तता पर एक अत्यधिक महत्वपूर्ण प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समिति ने एक लोक उपक्रम को प्रतियोगितापूर्ण वातावरण में स्वतंत्र रूप से योग्य बनाने हेतु उनकी वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वायत्तता को आवश्यक समझा। चूँकि प्रजातांत्रिक ढांचे की सरकार में कार्यपालिका के संसद के प्रति उत्तरदायित्व को एक मूलभूत अवधारणा के रूप में पहचाना जाता है इसलिए लोक उपक्रम प्रशासनिक मंत्रालय दोनों ही अपने कार्य निष्पादन के लिए संसद के प्रति उत्तरदायी होते हैं। प्रत्यक्ष रूप से परसार संबंधित होने के कारण स्वायत्तता तथा उत्तरदायित्व का सह-अस्तित्व आवश्यक है। चरम स्वायत्तता से जहाँ जवाबदेयता का सिद्धान्त पूर्णत: विफल हो जायेगा वहीं चरम जवाबदेयता से भी इसकी मूल अवधारणा निष्प्रभावी हो जायेगी। चूँकि लोक उपक्रमों को उनके सम्पूर्ण परिणामों से आंका जाता है, उन्हें पर्याप्त परिचालन स्वायत्तता होनी चाहिए। सरकार का नियंत्रण सामाजिक आर्थिक उद्देश्यों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु नीति-निर्देश जारी करने, रणनीतिक नियंत्रण लागू करने तथा आवश्यक समन्वयकारी व्यवस्थाएँ करने तक सीमित होना चाहिए। वर्तमान में सरकार के स्तर पर उपक्रमों के दिन-प्रतिदिन के कामकाज में हस्तक्षेप की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

लोक उपक्रमों के सफल कार्यकरण के लिए स्वायत्तता एक पूर्वापेक्षा है। लोक उपक्रमों के आन्तरिक मामलों में सरकार के निरन्तर हस्तक्षेप के आक्षेपों की दृष्टि से यह और भी महत्वपूर्ण है। हर पंचवर्षीय योजना ने लोक उपक्रमों के मामलों के प्रबन्धन में स्वायत्तता की आवश्यकता पर बल दिया है। कुछ पूर्व से, उनकी स्वायत्तता का सम्मान करने के लिए कई उपायों की पहल की गई है। लोक सेवकों को अब लोक उपक्रमों में नियुक्त नहीं किया जा रहा है। लोक उपक्रमों में व्यावसायीकरण को सचेत रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है। अन्ततः, जो कम महत्व का नहीं है, नियंत्रणकर्ता मंत्रालय तथा लोक उपक्रमों के मध्य सहबोध प्रज्ञप्ति पर हस्ताक्षर की हाल की नीति है। जवाबदेयता को प्रभावी बनाने के लिए इस प्रकार की सहबोध प्रज्ञप्तियों पर बड़ी संख्या में हस्ताक्षर किये गये हैं।

1. Why is Accountability and Autonomy necessary for Public Undertakings ?
लोक उपक्रमों के लिए जवाबदेयता तथा स्वायत्तता क्यों आवश्यक है?

2. 'Public Undertakings and Administrative Ministries are accountable to Parliament'. Explain.

'लोक उपक्रम तथा प्रशासनिक मंत्रालय संसद के प्रति उत्तरदायी हैं।' समझाइये।

3. Analyse the role of the Government vis-a-vis Public Undertakings.

लोक उपक्रमों की तुलना में (सम्बन्ध में) सरकार की भूमिका को विश्लेषित कीजिए।

4. Discuss the measures initiated by the Government regarding autonomy of Public Undertakings.

लोक उपक्रमों की स्वायत्तता के सम्बन्ध में सरकार द्वारा किये गये उपायों की विवेचना कीजिए।

5. Why have the MOU's been signed ?

सहबोध प्रज्ञप्तियाँ क्यों हस्ताक्षरित की गई हैं।

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. Differentiate between NPA and NPM.

   नव लोक प्रशासन तथा नव लोक प्रबन्धन के मध्य भेद कीजिए।

7. Formal and Informal organisations are complementary.
औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन सम्पूरक हैं।

8. 'In the happiness of his subjects lies the happiness of a king'. Comment.
प्रजा के सुख में ही राजा का सुख अन्तर्निहित है।

9. Differentiate between line and staff agencies.

सूत्र एवं स्टाफ अभिकरणों में भेद कीजिए।

10. Highlight major differences of administration between developed and developing countries.

विकसित एवं विकासशील देशों के प्रशासन के मध्य मुख्य अन्तर इंगीत कीजिए।

11. What is Joint Consultative Committee ?

संयुक्त परामर्शदात्री समिति क्या है?

12. Identify major problems faced by directorates.

निदेशालयों द्वारा अनुभूत प्रमुख समस्याओं को चिह्नित कीजिए।

13. What is the significance of audit ?

अंकेक्षण का क्या महत्व है?

14. What is 'Vote-on-Account' ?

लेखानुदान क्या है?

15. What are the limitations of random sampling ?

यादृच्छिक प्रतिदर्श की क्या सीमाएँ हैं?

16. Explain the role of District Collector in Disaster Management.

आपदा प्रबन्धन में जिला कलैक्टर की भूमिका समझाइए।

17. Discuss the hazards of privatisation.

निजीकरण के संकटों की विवेचना कीजिए।

18. What are the major criticisms levelled against NGO's ?

गैर सरकारी संगठनों के विरुद्ध मुख्य आलोचनाएँ क्या की जाती हैं?

19. Suggest measures to make Zero Based Budgeting effective in India.
भारत में शून्य आधारित बजट प्रणाली को प्रभावी बनाने के उपाय सुझाइये।

20. Differentiate between Position Classification and Rank Classification.
पद वर्गीकरण एवं श्रेणी वर्गीकरण के मध्य भेद कीजिए।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

21. What is public policy ? Discuss the reasons for studying public policy.

लोक नीति क्या है? लोक नीति के अध्ययन के कारणों की विवेचना कीजिए।

22. Examine Disjointed Incrementalism model for policy making.

नीति निर्माण के विसन्धित-वृद्धि उन्मुख प्रतिमान की समीक्षा कीजिए।

23. Discuss the role of Legislature in policy formulation.

नीति निर्माण में व्यवस्थापिका की भूमिका का विवेचन कीजिए।

24. What do you understand by 'the constraints of policy implementation' ?

'नीति क्रियान्वयन के अवरोधों' से आप क्या समझते हैं?

25. What signifies policy analysis ? What are its implications for political executives ?

नीति विश्लेषण का क्या अभिप्राय है? राजनीतिक कार्यपालकों के लिए इसके क्या निहितार्थ हैं?

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

21. Examine the concept of Social Welfare in the context of developing societies.

विकासशील समाजों के सन्दर्भ में समाज कल्याण की अवधारणा का परीक्षण कीजिए।

22. Discuss the reforms in education sector in India after Independence.

भारत में स्वतंत्रता के पश्चात शिक्षा क्षेत्र में सुधारों की विवेचना कीजिए।

23. Critically examine the functioning of the Central Social Welfare Board.

केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड के कार्यकरण का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

24. In what ways are NGO's playing an important role in social development ?

सामाजिक विकास में गैर सरकारी संगठन किस रूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभारहे हैं?

25. Discuss the measures adopted by the Union Ministry of Social Justice and Empowerment for the empowerment of the weaker sections of the society.

समाज के कमजोर वर्गों के सशक्तीकरण के लिए केन्द्रीय सामाजिक न्याय और सशक्तीकरण मंत्रालय द्वारा अपनाए गए उपायों का विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

21. 'The role of public sector is undergoing changes in the context of liberalisation and privatisation'. Comment.

उदारीकरण व निजीकरण के सन्दर्भ में लोक उपक्रमों की भूमिका परिवर्तित होती जा रही है। टिप्पणी कीजिए।

22. 'Public Undertakings in India are undergoing losses as a result of excessive politicisation'. Comment.

भारत में लोक उपक्रम अत्यधिक राजनीतिकरण के कारण हानि का शिकार होरहे हैं। टिप्पणी कीजिए।

23. Discuss the impact of Industrial Policy of 1991 on the Indian economy.

भारतीय अर्थ व्यवस्था पर 1991 की औद्योगिक नीति के प्रभाव की विवेचना कीजिए।

24. 'Disinvestment Policy of Government of India has caused resistance from some sections of the society'. Examine the above statement.

भारत सरकार की विनिवेश नीति समाज के कतिपय वर्गों के प्रतिरोध का निमित्त बनी है। उपर्युक्त कथन का परीक्षण कीजिए।

25. In what ways has the concept of mixed economy helped the socio economic development of India ?

भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास में मिश्रित अर्थव्यवस्था की अवधारणा ने किन रूपों में सहायता की है?

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

21. To what extent has the 73rd Constitution Amendment Act helped in developing Panchayati Raj Institutions as units of self governance ?

73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम पंचायती राज संस्थाओं को स्वशासन की इकाइयों के रूप में विकसित करने में कहाँ तक सहायक हुआ है?

22. 'Local bodies in India have not been effective in achieving their goals'. Examine.

'भारत में स्थानीय संस्थाएँ अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में प्रभावी नहीं रही हैं' परीक्षण कीजिए।

23. 'An important feature of the 74th Constitution Amendment Act is the new role assigned to the urban local bodies in the field of Planning'. Discuss.

'74वें संविधान संशोधन अधिनियम की एक प्रमुख विशेषता नगरीय स्थानीय संस्थाओं को नियोजन के क्षेत्र में नयी भूमिका दिया जाना है।' विवेचना कीजिए।

24. 'State - local government relations are still not cordial in spite of Constitutional safeguards'. Examine the above statement.

'संवैधानिक परिरक्षणों के बावजूद राज्य व स्थानीय शासन के सम्बन्ध अभी भी सौहार्द्रपूर्ण नहीं है।' उपर्युक्त कथन का परीक्षण कीजिए।

25. Identify the major challenges faced by Panchayati Raj Institutions in the context of globalisation.

वैश्वीकरण के सन्दर्भ में पंचायती राज संस्थाओं द्वारा अनुभूत प्रमुख चुनौतियों को रेखांकित कीजिए।

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प – V

21. 'Rural development programmes in India suffer from lack of coordination and a sound appraisal system'. Evaluate.

'भारत में ग्रामीण विकास कार्यक्रम समन्वय के अभाव एवं विवेकपूर्ण मूल्यांकन व्यवस्था की कमी से ग्रस्त हैं।' मूल्यांकन कीजिए।

22. 'A holistic approach to Integrated Development implies strengthening and regulating the sectoral and spatial transformation of the rural habitat'. Discuss.

समन्वित विकास के एक समग्र उपागम में यह अन्तर्निहित है कि ग्राम वासस्थान (habitat) के क्षेत्रीय एवं स्थानिक रूपांतरण को सुदृढ़ एवं नियमित किया जाये।

23. Examine the purpose and importance of a 'Master Plan' in the development of a city.

एक शहर के विकास में 'मास्टर प्लान' के उद्देश्य एवं महत्व का परीक्षण कीजिए।

24. Examine the causes for the growth of slums. Discuss the measures adopted by the government to combat the problem.

मलिन बस्तियों के बढ़ने के कारणों का परीक्षण कीजिए। इस समस्या का सामना करने हेतु सरकार द्वारा अपनाए गये उपायों का विवेचन कीजिए।

25. 'Water supply' and 'sewerage' are two basic problems facing urban local bodies'. Suggest measures to solve these.

'नागरीय स्थानीय संस्थाएँ 'जल वितरण' एवं 'मल निर्यास' की दो मूलभूत समस्याओं का सामना कर रही हैं।' इनके समाधान हेतु उपाय सुझाइये।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Do you agree with the view that the new economic policy has changed the nature and scope of public administration ? Discuss and illustrate.

क्या आप इस मत से सहमत हैं कि, नवीन आर्थिक नीति ने लोक प्रशासन के क्षेत्र व प्रकृति को परिवर्तित कर दिया है। सोदाहरण विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

In what ways does New Public Administration differ from New Public Management ? Discuss and illustrate.

नवीन लोक प्रशासन नव लोक प्रबन्धन से किस रूप में भिन्न है? सोदाहरण विवेचना कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....